सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 17 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 17 फरवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप वही करते हैं जो आप हमेशा से करते आये हैं तो आपको वही मिलेगा जो हमेशा से मिलता आया है।

-टोनी रॉबिंस

राजनीति का मतलब सेवा... 2 | अपने बूते प्रदेश में चुनाव लड़ रही... 3 | कुशीनगर में बड़ा हादसा, कुएं में... 7

सातवें चरण के चुनाव तक भाजपा के बूथों पर लोटेंगे भूत: अखिलेश

फोटो: सुमित कुमार

चौथे चरण तक बन जाएगी सपा की सरकार, कराएंगे जाति जनगणना

बिना ब्याज के किसानों को दिया जाएगा लोन

अखिलेश यादव ने कहा कि बिना ब्याज के किसानों को लोन दिया जाएगा। आलू प्रोसेसिंग के लिए कारखाना लगाने के लिए अगर मदद करनी पड़ेगी तो करेंगे। उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाएंगे। भाजपा वाले आ गए तो नौजवान नौकरी के लिए पांच साल पीछे हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि ये लोग गुंडा, अपराधी, माफिया कह रहे हैं। समाजवादी लोग इस तरह का काम नहीं करते हैं। माफिया वे हैं जो माफिया को क्रिकेट खेलने का मौका देते हैं। मैं कहता हूं कि जिन्हें कानून तोड़ना है वे समाजवादी पार्टी को वोट नहीं दें। उन्होंने कहा कि ये लोग जाति जनगणना नहीं कराना चाहते हैं। ये चुनाव लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों का सम्मान बचाने का चुनाव है। सपा सरकार बनने पर जाति जनगणना कराकर हर जाति के लोगों को स्थान और सम्मान देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का जो नेता जितना बड़ा है वह उतना बड़ा झूठ बोलता है। प्रदेश में नौजवानों को नौकरी नहीं मिली। भाजपा के लोग ठंडे पड़ गए हैं और जिस समय वोट पड़ेगा फिरोजाबाद में उनकी भांप निकल जाएगी। सपा सरकार आएगी तब नौजवानों के लिए फौज में भर्ती पुलिस में भर्ती और नौकरी निकालने का काम करेगी। भाजपा सरकार में 11 लाख पद खाली पड़े हैं। सपा सरकार बनेगी तो इन पदों को भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सब कुछ बेच रही है। हवाई जहाज से लेकर बंदरगाह तक बेच दिए। अब रेलगाड़ी बिकने जा रही है। रेलवे की जमीनें बिक रही हैं। उन्होंने कहा कि यह बाबा मुख्यमंत्री को हटाने का चुनाव है। पिछड़ों और दलितों का जो अपमान किया है, उनके सम्मान बचाने का भी चुनाव। जाति जनगणना कराकर सपा सरकार में सभी को सम्मान देने का काम करेंगे।

» सब कुछ बेच रही भाजपा सरकार, ठंडे पड़ गए हैं भाजपा के नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज फिरोजाबाद के नसीरपुर में आयोजित जनसभा में भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले दो चरण में सपा गठबंधन ने शतक मार लिया है। तीसरे-चौथे चरण में सपा की सरकार बनेगी। सातवें चरण तक भाजपा के बूथों पर सन्नाटा होगा और भूत लोटेंगे। बूथ पर कोई मक्खी मारने वाला भी नहीं होगा। फिरोजाबाद, सिरसागंज, टुंडला इस बार भाजपा की आंख खोलने का काम करेगा।

सपा-बसपा ने केवल अपनी जाति के लोगों का किया भला: शाह

» भाजपा सरकार ने बिना भेदभाव दिया योजनाओं का लाभ

» योगी सरकार ने माफियाओं को जेल में डालने का किया काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने फिरोजाबाद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने बिना भेदभाव लोगों को योजनाओं का लाभ दिया जबकि सपा व बसपा सरकारों ने केवल अपनी जाति के लोगों का भला किया।

उन्होंने कहा कि यदि वैक्सीन नहीं लगी होती तो क्या तीसरी लहर से लोग सुरक्षित रहते? डेढ़ करोड़ लोगों को फ्री बिजली का कनेक्शन दिया गया। गरीबों को फ्री रसोई गैस का कनेक्शन और राशन दिया गया। हर बच्ची जो बारहवीं पास करेंगी उसे सरकार बनने पर स्कूटी देंगे। स्मार्ट फोन दिए गए। किसानों के बिजली बिल माफ होंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने माफिया और गुंडों को जेल में डालने का काम किया है। भाजपा सबका साथ-सबका विकास करती है।

जहूराबाद से ओमप्रकाश राजभर तो मऊ सदर से अब्बास अंसारी ठोकेंगे ताल

» सपा और सुभासपा गठबंधन ने जारी की अधिकृत उम्मीदवारों की सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में शामिल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने अपने अधिकृत उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें 18 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया गया है। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर जहूराबाद से तो मऊ सदर से अब्बास अंसारी ताल ठोकेंगे।

सुभासपा की जारी सूची के मुताबिक जहूराबाद से ओमप्रकाश राजभर, शिवपुर से डॉ. अरविन्द राजभर, जखनियां से बेदी राम, रसड़ा से महेंद्र चौहान और बेल्थरारोड से हंशु राम चुनाव मैदान में हैं। वहीं सलेमपुर से मनबोध प्रसाद, रामकोला से पुर्नवासी देहाती, खड्डा से अशोक चौहान, महाराजगंज सदर से गीता रत्ना पासवान, घनघटा से अलगू चौहान, शोहरतगढ़ से प्रेमचंद निषाद, महादेवा से दूध राम और संडीला से सुनील अर्कवंशी को टिकट दिया गया है। पार्टी ने मिश्रिख से मनोज कुमार राजवंशी, मेहनगर से पूजा सरोज, जफराबाद से जगदीश राय, अजगरा से सुनील सोनकर और मऊ सदर से अब्बास अंसारी को चुनाव मैदान में उतारा है।

पेट्रोल के दाम बढ़ाने की तैयारी में मोदी सरकार : अखिलेश

» औरैया में हम प्लास्टिक सिटी विकसित कर देंगे रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ककोर के तिरंगा मैदान में दिबियापुर और औरैया के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा की। अखिलेश ने एलान किया कि हमारी सरकार बनी तो जब तक सरकार रहेगी तब तक मुफ्त अनाज देंगे। उन्होंने कहा कि जिले की प्लास्टिक सिटी को विकसित कर रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। जरूरत पड़ी तो उद्यमियों की मदद भी करेंगे। उन्होंने भाजपा सरकार को निशाने पर रखते हुए कहा कि भाजपा की सरकार पूरी तरह फेल है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा मोदी सरकार पेट्रोल के दाम बढ़ाने की तैयारी में है। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय दोगुनी करने सहित तमाम मुद्दों पर प्रदेश सरकार को घेरने की कोशिश की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की लहर चल रही है। औरैया की जनता ने भी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जिताकर विधानसभा भेजने की राय बना ली है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में हुए मतदान से गर्मी निकालने वाले नेता व उनके समर्थक ठंडे पड़ गए हैं। जबकि दूसरे चरण में पड़े मतदान से विरोधी सुन्न पड़ गये और जब जनता वोट करेगी तो भाजपा उत्तर प्रदेश में पूरी तरह से शून्य हो जाएगी। गर्मी निकालने वालों की भाप निकल गई। धुआं उड़ाने वाले नेता धुआं हो गये हैं।

वह गर्मी निकालने की बात करते हैं। हम कहते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो भर्ती निकालकर नौजवानों को रोजगार देने का काम करेंगे। कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। अखिलेश ने कहा, जिन्होंने किसानों पर अत्याचार किया सरकार उनकी मदद कर उन्हें जेल से बाहर ला रही है। सपा की सरकार बनी तो अपराधी और मदद करने वाले जेल में होंगे। औरैया में अखिलेश दिबियापुर से प्रत्याशी प्रदीप यादव, औरैया से जितेंद्र दोहरे के समर्थन में पहुंचे थे।

राजनीति का मतलब सेवा है: प्रियंका गांधी

» किदवईनगर और कैंट में किया घर-घर जनसंपर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कानपुर में किदवईनगर प्रत्याशी अजय कपूर और छावनी सीट से उम्मीदवार सोहिल अख्तर अंसारी के लिए डोर टू डोर जनसंपर्क करने के साथ रोड शो किया। प्रियंका ने डेढ़ घंटे में दोनों विधानसभा क्षेत्रों में जाकर माहौल बनाने का प्रयास किया। कल्याणपुर से प्रत्याशी नेहा तिवारी भी प्रियंका गांधी के साथ डोर टू डोर जनसंपर्क में शामिल रहीं।

किदवईनगर विधानसभा में प्रियंका गांधी का काफिला सबसे पहले बाबूपुरवा, सफेद कालोनी पहुंचा। भीड़ उनकी एक झलक पाने, सेल्फी लेने के लिए बेताब नजर आई। शाम पौने चार बजे काफिला बगाही ईदगाह पहुंचा। इसके बाद चार राड चौराहा होते हुए किदवईनगर चौराहे पर पहुंचा। यहां पर किदवईनगर प्रत्याशी अजय कपूर के लिए लोगों से समर्थन मांगा। सोटे वाले हनुमान मंदिर के पास प्रियंका गांधी ने लोगों से कहा कि अपना हक मांगो। सबको सड़क, पानी, बिजली की बुनियादी सुविधा मिलनी चाहिए। यहां तो एक किलोमीटर तक सड़क पर कचरा पसरा है। इतना कचरा किसी शहर में नहीं दिखा। राजनीति का मतलब सेवा है, इससे बढ़कर कोई धर्म नहीं है। कहा भाजपा सरकार ने छोटे दुकानदारों के लिए कुछ नहीं किया।

जातिवाद व नफरत की राजनीति देश के लिए खतरा : कृष्णम

» कासगंज में कांग्रेसी नेता ने झोली फैलाकर मांगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कासगंज ने कांग्रेस के स्टार प्रचारक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि आज देश में जातिवाद और नफरत की राजनीति का दौर चल रहा है। जो देश के भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। एक समय आएगा जब देश में हिंदू मुसलमान तो बचेगा, लेकिन देशभक्त हिंदुस्तानी नहीं बचेगा। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शहर के बाहर पत्थर मैदान पर कासगंज विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप पांडेय के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की दास्तां से देश को आजाद कराने के लिए सुभाष चंद्र बोस ने नारा दिया था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, लेकिन उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि यह देश बंगालियों का होना चाहिए। इसी तरह चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान सहित तमाम देश भक्तों ने आजादी के लिए अपने प्राणों की कुर्बानी दी, लेकिन कभी नहीं चाहा कि यह देश उनके पंथ या मजहब का हो। इन सभी के दिलों में हिंदुस्तान बसता था। ये सभी चाहते थे कि यह देश प्रत्येक हिंदुस्तानी का हो, लेकिन आज सोच बदल गई है। उन्होंने विपक्षी दलों पर जातिवादी राजनीति करने का आरोप लगाया तो भाजपा पर धर्म के आधार पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया। कहा कि मैं आपसे कोई धन दौलत नहीं मांग रहा। केवल आपका एक वोट मांग रहा हूं।

वाराणसी कैंट से पूजा यादव, उत्तरी से अशफाक सपा उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। समाजवादी पार्टी ने नामांकन की अंतिम तिथि से एक दिन पहले देर रात अपनी शेष दो सीटों पर प्रत्याशियों को टिकट दे दिया। इसमें कैंट विस क्षेत्र से समाजवादी महिला सभा की महानगर अध्यक्ष पूजा यादव पर भरोसा जताया है तो शहर उत्तरी सीट से अशफाक अहमद डब्लू को टिकट दिया है। कारोबारी परिवार की बहू पूजा 2014 से पार्टी में विभिन्न पदों पर रही हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। वहीं अशफाक 2012 में कैंट से विस चुनाव लड़ चुके हैं। पिछली बार सपा ने दक्षिणी से टिकट दिया था, लेकिन बाद में यह सीट समझौते में कांग्रेस के पास चली गई थी। डब्लू होटल और स्क्रैप कारोबारी हैं। इस प्रकार वाराणसी में लंबे समय से प्रतीक्षा के बाद अंतिम दिन से पूर्व सपा की ओर से उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट जारी कर दी गई है।

भाजपा नेता के भड़काऊ बोल, कहा

दंगा-फसाद करवा दो...लेकिन जीत हमारे प्रत्याशी की होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दो चरणों का चुनाव संपन्न हो चुका है और तीसरे चरण के लिए तैयारी जोरों पर चल रही है। अब तमाम तरह के दावे और आरोप-प्रत्यारोप के बीच, कई नेता विवादित बयान देने से पीछे नहीं हट रहे हैं। अब पूर्व विधायक रामसेवक पटेल के एक बयान ने बवाल खड़ा कर दिया है। प्रयागराज में 27 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले रामसेवक पटेल ने कार्यकर्ताओं को किसी भी हद से गुजरने की सलाह दी है।

मांडा इलाके में बीजेपी प्रत्याशी नीलम करवरिया के समर्थन में जनसभा के दौरान पूर्व विधायक रामसेवक पटेल के बिगड़े बोल ने सबको आश्चर्यचकित कर दिया। रामसेवक पटेल ने मंच से कहा कि चाहे दंगा फसाद कराना पड़े, लेकिन प्रत्याशी को जिताओ। इसके अलावा उन्होंने यहां तक कह दिया कि बूथ जीतने के लिए मारपीट करनी पड़े, तो वो भी करें। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पूर्व विधायक समेत करीब 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। दरअसल सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व विधायक रामसेवक पटेल एक जनसभा के दौरान भाजपा की प्रत्याशी नीलम करवरिया के जन समर्थन में एक सभा कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने मंच से तमाम लोगों को भड़काने का काम किया।

खुले घूम रहे 23 हजार करोड़ के बैंक घोटाले के आरोपी : मेनका गांधी

» बिजली के बिल के बकायेदारों को दिया जा रहा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सांसद मेनका गांधी ने गुजरात में हुए करीब 23 हजार करोड़ रुपये के बैंक घोटाले को लेकर गंभीर सवाल उठाए। सांसद ने कहा कि 23 हजार करोड़ के बैंक घोटाले के आरोपी आजाद घूम रहे हैं लेकिन 15 हजार के बिजली बिल के बकाएदार को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अपने दौरे के आखिरी दिन वे अरवल में मीडिया के सवालों का जवाब दे रही थीं। इससे पहले उन्होंने अरवल और इसौली में जनसभा भी की। सांसद ने देश में एक समान न्याय व्यवस्था की जरूरत बताई। कहा कि इतने बड़े घोटाले के आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होना चिंताजनक है।

उन्होंने जिले की विधानसभा सीटों पर प्रचार में और तेजी की जरूरत बताई। कहा कि इस बार चुनाव में फिर भाजपा जीतेगी। देश में भाजपा से बड़ा व मजबूत संगठन किसी के पास नहीं है। कार्यकर्ताओं को बेहद सतर्क होकर कार्य करने की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों के जीतने से जिले का विकास हो सकेगा। उन्होंने पांचों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की लोगों से अपील की।

बीजेपी प्रत्याशी असीम अरुण ने लोगों से मांगी वित्तीय मदद

लखनऊ। यूपी चुनाव के लिए कन्नौज सदर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ने वित्तीय सहायता के लिए मदद मांगी है। उन्होंने इसके लिए बैंक अकाउंट की डिटेल शेयर की है। साथ ही पेटीएम, गूगल पे, फोन पे और वॉट्सऐप से मनी ट्रांसफर के लिए नंबर भी जारी किया है। बता दें कि कन्नौज सदर सीट से भाजपा ने असीम अरुण को प्रत्याशी बनाया है। असीम अरुण हाल में पुलिस सेवा छोड़कर राजनीति में उतरे हैं। असीम अरुण ने एक पंपलेट शेयर कर वित्तीय सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि मेरा लोक सेवा में प्रवेश करने का उद्देश्य बदलाव लाना है, पर अपने बुनियादी नैतिक सिद्धांतों- ईमानदारी, शिष्टाचार, पारदर्शिता और समावेश में नहीं। मेरा मानना है कि लोक सेवा के हर कार्य में पूर्ण शुचिता और पारदर्शिता होनी चाहिए, जिसके लिए मैं आप से चुनाव और आने वाले दिनों में करने वाले लोक सेवा कार्य के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध करता हूं।

अपने बूते प्रदेश में चुनाव लड़ रही कांग्रेस के दम-खम की होगी परीक्षा

» दो दशक बाद अकेले लड़ रही चुनाव, महिलाओं को दिया गया है 40 फीसदी टिकट

» 2017 के विधान सभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन कर लड़ा था चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले चार विधान सभा चुनावों में यह पहला मौका है कि जब कांग्रेस सभी सीटों पर अपने बलबूते चुनाव लड़ रही है। दो दशक बाद कांग्रेस की प्रदेश में दम-खम की परख होगी। पार्टी ने 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने का जो नया प्रयोग किया है, उसकी भी परीक्षा होगी।

कांग्रेस ने इस बार विधान सभा की 403 में से 402 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं। पार्टी ने इटावा की जसवंतनगर सीट पर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ प्रत्याशी नहीं घोषित किया है। वहीं मैनपुरी की करहल सीट से कांग्रेस प्रत्याशी घोषित की गईं ज्ञानवती यादव ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के इस सीट से उतरने के बाद नामांकन नहीं किया। इनके अलावा कांग्रेस पार्टी की दो महिला प्रत्याशियों के नामांकन खारिज किये जा चुके हैं। इस तरह कांग्रेस पार्टी 399 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इससे पहले कांग्रेस 2002 के विधान सभा चुनाव में 402 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और उसने 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2007 में बेनी प्रसाद वर्मा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और इंडियन जस्टिस पार्टी के साथ हुए समझौते के तहत कांग्रेस ने 393 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में कांग्रेस को 22 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। 2012 में राष्ट्रीय लोक दल के साथ हुए गठबंधन के तहत कांग्रेस 355 सीटों पर मैदान में उतरी थी जबकि 49 सीटें रालोद के कोटे में गई थीं। तब कांग्रेस की झोली में 28 सीटें गई थीं और रालोद ने नौ सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं 2017 के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने सपा के साथ गठबंधन किया था। गठबंधन के तहत कांग्रेस 114 सीटों पर लड़ी थी और विधान सभा चुनावों में सबसे लचर प्रदर्शन करते हुए महज सात सीटों पर सिमट गई थी।

वर्ष सीट	लड़े	जीते	वोट प्रतिशत
वर्ष 2002	402	25	8.96
वर्ष 2007	393	22	8.61
वर्ष 2012	355	28	11.65
वर्ष 2017	114	07	6.25

टिकट वितरण में समीकरण

कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने का वादा निभाया है। वहीं, कांग्रेस ने 22.3 प्रतिशत टिकट अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों को दिए हैं। पार्टी ने इन वर्गों के 89 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। प्रदेश में विधान सभा की 84 सीटें अनुसूचित जाति और दो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। टिकट वितरण में अन्य पिछड़ा वर्ग की 21.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ब्राह्मणों को पार्टी की ओर से 18.8 प्रतिशत टिकट दिए गए हैं। टिकटों में मुस्लिमों की भागीदारी भी 18.8 प्रतिशत है।

यूपी चुनाव में गरमाया पेंशन का मुद्दा

» कर्मचारियों को समझाने की कोशिश कि एनपीएस फायदेमंद

» पुरानी पेंशन को लेकर कर्मचारियों को गुमराह करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में पुरानी पेंशन का मुद्दा काफी गर्मा गया है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा द्वारा वित्त व कार्मिक विभाग के साथ बैठक कर पुरानी पेंशन योजना और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में तुलना कर कर्मचारियों को यह समझाने की कोशिश की जा चुकी है कि एनपीएस ही ज्यादा फायदेमंद है। वहीं दूसरी तरफ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी का भी यही मानना है। वह कहते हैं कि पुरानी पेंशन को लेकर कर्मचारियों को गुमराह किया जा रहा है। उप्र में एक अप्रैल 2005 से एनपीएस लागू है।

पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) बनाकर इसे लागू किया गया है। ऐसे में अब दोबारा एनपीएस की बजाए पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने के लिए केंद्र की अनुमति जरूरी है। जेएन तिवारी कहते हैं कि बिना केंद्र की मंजूरी की वापस पुरानी पेंशन नहीं मिल सकती। पश्चिम बंगाल में पुरानी पेंशन योजना सतत रूप से लागू है, उसने एनपीएस को लागू ही नहीं किया गया। ऐसे में वहां पुरानी पेंशन योजना लागू है। उधर अटेवा पेंशन बचाओ मंच के अध्यक्ष विजय कुमार बंधु कहते हैं कि यह राज्य का विषय है, केंद्र का नहीं। इसके लिए किसी भी प्रकार की अनुमति की जरूरत नहीं होगी। वे बताते हैं कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार इसलिए लागू नहीं कर पाई क्योंकि वहां पूरा नियंत्रण केंद्र का है। यूपी में ऐसी स्थिति नहीं है। अगर एनपीएस इतनी अच्छी है तो जो अधिकारी या कर्मचारी नेता इसके पक्ष में हैं तो वह पुरानी पेंशन छोड़कर इसका विकल्प क्यों नहीं चुनना चाहते। वहीं दूसरी ओर सपा और बसपा ने पुरानी पेंशन बहाली को लेकर चुनावी वादा किया है। ऐसे में नई पेंशन व पुरानी पेंशन पर तलवारें खिंच गई हैं। फिलहाल चुनाव बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी कि पेंशन मुद्दा किस हद तक सफल रहा।

सपा का वादा, सरकार बनी तो पुरानी पेंशन करेंगे लागू

यूपी चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल वादों की झड़ी लगा रहे हैं। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में पुरानी पेंशन (2005 के पहले की व्यवस्था के तहत) लागू करने की बात कही है। साथ ही अखिलेश ने कर्मचारियों के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा और यश भारती सम्मान दोबारा शुरू करने का भी ऐलान किया। अखिलेश ने कहा कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को उनके घर के पास तैनाती दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए योजनाएं लाएंगे। उन्होंने भाजपा पर आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत आउटसोर्सिंग को बढ़ावा देने की साजिश का आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने 300 यूनिट के फ्री बिजली के सपा के वादे की याद दिलाते हुए कहा कि उनकी पार्टी खुशहाली की राजनीति कर रही है। खुशहाली के लिए लोग उनकी सरकार बनाएंगे।

बसपा नई पेंशन व्यवस्था से सहमत नहीं

औरैया में एक चुनावी जनसभा में बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा था कि शिक्षा के क्षेत्र में अन्य विभागों के भी कर्मचारी जो आए दिन अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन व हड़ताल करते रहते हैं, उन सभी मामलों को निपटाने के लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा। उनकी सही मांगों को मान लिया जाएगा। इसमें कर्मचारियों की पुरानी पेंशन का मामला भी शामिल है क्योंकि हमारी पार्टी नई पेंशन व्यवस्था से कतई सहमत नहीं है इसलिए बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू किया जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अन्न की बर्बादी और भुखमरी

देश में एक ओर अन्न की बर्बादी जारी है तो दूसरी ओर जनसंख्या का एक हिस्सा भुखमरी का शिकार है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद हालात बदतर होते जा रहे हैं। रही सही कसर कोरोना महामारी ने निकाल दी है। लाखों लोगों के रोजगार छिन जाने के कारण उनके सामने रोटी के लाले पड़ गए हैं। वैश्विक भुखमरी सूचकांक में देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से पीछे चला गया है। यह स्थिति चिंताजनक है और सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े करता है। सवाल यह है कि देश में खाद्यान्न की बर्बादी की वजह क्या है? लोगों को पर्याप्त भोजन उपलब्ध क्यों नहीं हो पा रहा है? इस विरोधाभास के लिए क्या सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? क्या ऐसी स्थिति में देश विकास के पायदान चढ़ पाएगा? क्या संतुलित समाज की रचना की जा सकेगी? खाद्यान्न की बर्बादी रोकने में सरकार नाकाम क्यों हो रही है? क्या देश में अमीरों और गरीबों के बीच खाई और बढ़ रही है?

भले ही देश खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर हो चुका हो लेकिन भुखमरी अभी भी मौजूद है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 के आंकड़ों में भारत की स्थिति त्रासदीपूर्ण है। 117 देशों की सूची में भारत 102वें पायदान पर है। वहीं संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी खाद्यान्न बर्बादी सूचकांक के मुताबिक भारत में प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति 50 किलोग्राम खाना बर्बाद कर रहा है। यह विरोधाभास चिंतित करने वाला है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि रखरखाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण देश में अनाज बर्बाद हो रहा। लिहाजा बड़ी तादाद में लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट भी अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा था कि गोदामों में अनाज सड़ने से अच्छा है कि उसे गरीबों में मुफ्त बांट दिया जाए। बावजूद इसके सरकार की नीति में बदलाव नहीं आया। नीतियों और व्यवस्थागत खामियों की वजह से भारी पैमाने पर अनाज की बर्बादी जारी है। हैरानी की बात यह है कि गरीबों की बात करने वाली सरकारें भी इस मामले में कोई ठोस नीति नहीं बना सकी हैं। अनाज की ऊंची कीमतों के चलते भी कम आय वाले लोगों को संतुलित आहार नहीं मिल पा रहा है। कोरोना काल ने इस स्थिति को और बिगाड़ दिया है। लाखों लोगों के रोजगार छिन गए हैं। इसका सीधा असर उनकी क्रय शक्ति पर पड़ रहा है। वे खुद और अपने बच्चों को भरपेट भोजन तक नहीं उपलब्ध करा पा रहे हैं। जाहिर है देश में सम्यक विकास और संतुलित समाज के लिए सरकार को न केवल अन्न की बर्बादी रोकनी होगी बल्कि भुखमरी को भी खत्म करना होगा।

“ भले ही देश खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर हो चुका हो लेकिन भुखमरी अभी भी मौजूद है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 के आंकड़ों में भारत की स्थिति त्रासदीपूर्ण है। 117 देशों की सूची में भारत 102वें पायदान पर है। वहीं संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी खाद्यान्न बर्बादी सूचकांक के मुताबिक भारत में प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति 50 किलोग्राम खाना बर्बाद कर रहा है। यह विरोधाभास चिंतित करने वाला है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसान के खेत से गुजरेगी आत्मनिर्भरता की राह

देविंदर शर्मा

प्रधानमंत्री की देश के लिए अगले 25 सालों की दृष्टि, जिसको 'अमृतकाल' कहा गया है, जो आजादी की 100वीं वर्षगांठ के लक्ष्यों से जुड़ा है, लगता है कि इसमें कृषि को अपेक्षित महत्व नहीं मिला। वर्ष 2020 में बजट प्रस्तुत करते समय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेती में जान फूंकने को 16 सूत्रीय कार्ययोजना बताई थी। जहां इसमें किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था वहीं उनके भाषण का ज्यादा जोर मंडी, उदारीकरण, कृषि-भूमि लीज कानून और अनुबंध-खेती पर रहा था, जिसका सीधा मंतव्य कॉर्पोरेट-कृषि व्यवस्था का रास्ता प्रशस्त करना था। बजट के इस अभिभाषण के चंद महीने बाद कृषि और मंडी सुधारों के नाम पर तीन विवादित कृषि कानून लाये गए, जिसका विरोध करने हेतु हजारों किसानों ने दिल्ली की दहलीज़ पर धरना दिया। लगभग साल भर चले किसान आंदोलन ने अंतत: सरकार को इन्हें वापस लेने को मजबूर किया।

संयोगवश किसानों का यह अभूतपूर्व धरना उस वक्त चला जो कोविड-19 का सबसे तीव्र प्रकोप वाला काल भी रहा। इस दौरान सख्त लॉकडाउन प्रतिबंधों की वजह से देश की आर्थिक विकास दर सिकुड़कर 2021-22 में 6.6 प्रतिशत रह गई। हताश कर देने वाले इस माहौल में कृषि और इससे संबंधित क्षेत्र की गतिविधियां ही एकमात्र अपनी जगह टिकी रहीं और अर्थव्यवस्था में सबसे चमकता सितारा बनकर उभरीं। वर्ष 2020-21 के वित्तीय सर्वे के मुताबिक, कृषि में 3.6 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके बाद आई कोविड महामारी की दूसरी लहर, जो सबसे घातक थी और फिलहाल अपेक्षाकृत कम तीव्रता वाली तीसरी लहर चल रही है। लेकिन तब भी कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों ने एक बार बढ़िया प्रदर्शन कर दिखाया। 2021-22 में यह पिछले साल के मुकाबले और प्रभावशाली यानी 3.9 प्रतिशत रही। कृषि क्षेत्र, जो देश का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है, उसका हिस्सा राष्ट्र की जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) में 18.8 फीसदी रहा। वित्तीय सर्वे इस प्रदर्शन को किसानों की आय दोगुनी करने वाली कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप बता रहे हैं। इस बात के मद्देनजर कि 2022 वह साल है, जिस तक सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का ध्येय रखा था। इसके अलावा ऐसे समय में जब बाकी सब क्षेत्र पस्त हुए पड़े थे, जिन्हें आर्थिकी का पहिया कहा जाता है, इसके बावजूद कृषि ने असाधारण प्रदर्शन कर दिखाया। ऐसे में उम्मीद तो

यह थी कि वित्तमंत्री 2022 के बजट में ऐसी घोषणाएं करतीं, जो न केवल खेती को बढ़ावा देने वाली बल्कि इस सख्त मेहनत के लिए किसानों की पीठ थपथपाने वाली होतीं।

जब कृषि क्षेत्र ने इतना बढ़िया कर दिखाया है तो कम से कम इतनी उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि योजना की राशि को दोगुना करके कृषक को मिलने वाली सीधी आय बढ़ाते। इस साल भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के लिए बजट की मद पिछले वर्ष जितनी 68,000 करोड़ रखी गई है, वे चाहते तो किसानों की सीधी आय से मदद करने को यह 1 लाख करोड़ की जा सकती थी। सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे फॉर एग्रीकल्चर हाउस होल्ड्स की नवीनतम रिपोर्ट-2019 बताती है कि औसतन कृषि-आय (इसमें गैर-कृषक गतिविधियां भी शामिल हैं) प्रति माह 10,286 रुपये बैठती है। यदि कुल आमदनी का वर्गीकरण कर विश्लेषण किया जाए तो केवल फसलों से होने वाली आय रोजाना महज 27 रुपये बैठती है। इससे स्पष्ट है कि देश में कृषि संत्रास क्यों कायम है। इसके पीछे मुख्य वजह उत्पादन में कमी होना नहीं बल्कि किसान की फसल का लगाया जाना वाला मूल्य जान-बूझकर कम रखना है। कृषक का हक बनती कीमत सुनिश्चित करके निश्चित हो जाएं क्योंकि बाकी वह जानता है कि कौन-सी तकनीक इस्तेमाल करनी है। सरसों का उदाहरण लें, जहां इस बार का बाजार भाव पिछले साल रखे गए न्यूनतम समर्थन मूल्य 4,650 (इस साल यह 5050 रुपये) से बहुत तेज यानी 7,000 रुपये प्रति क्विंटल रहा है, लिहाजा रबी फसल चक्र में अभी तक 1 लाख हेक्टेयर रकबे में सरसों की बिजाई होने की खबर है। यह क्षेत्रफल कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए लगाए अनुमानों से भी ज्यादा है। इसीलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कृषि उत्पाद की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर न होने पाये। कृषि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बने इस हेतु सबसे बढ़िया उपाय है खेती को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना। यह तभी संभव है जब अगले 25 सालों के लिए बनाई गई रूप-रेखा में किसान को फसल की यथेष्ट कीमत और मौजूदा कृषि मंडी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। लोगों को कृषि से विमुख करने की बजाय कृषि क्षेत्र और किसानी को सुदृढ़ करके होगी। कृषि के लिए यह बेहतर होगा।

अल्पसंख्यकों की पहचान के निर्धारण का प्रश्न

अनूप भटनागर

देश में राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यकों को विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता है लेकिन अब लंबे समय से राज्य स्तर पर अल्पसंख्यक होने वाले समुदायों को भी अल्पसंख्यकों के लाभ उपलब्ध कराने की मांग जोर पकड़ रही है। सवाल उठ रहे हैं कि राज्य स्तर पर अल्पसंख्यक कौन हैं और ऐसे समुदायों की पहचान कर उन्हें अल्पसंख्यकों को मिलने वाली योजनाओं का लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है। दरअसल, कहीं-कहीं तो स्थानीय स्तर पर जनसांख्यिकीय स्वरूप परिवर्तित हो चुका है। इस संवेदनशील मुद्दे पर न्यायपालिका में भी मामला लंबित है। शीर्ष अदालत में लंबे समय से मामला लंबित होने के बावजूद अल्पसंख्यकों के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध होने का दावा कर रही सरकारें 10 राज्यों में अल्पसंख्यकों की पहचान करने के सवाल पर लगातार ढुलमुल रवैया अपना रही हैं।

अभी हाल ही में मद्रास उच्च न्यायालय का कहना था कि कन्याकुमारी में हिन्दू अल्पसंख्यक हैं जबकि जमीनी स्तर पर जनगणना में यह तथ्य परिलक्षित नहीं होता है। इसकी वजह 'क्रिप्टो क्रिश्चियन' होना बताया जाता है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने हाल ही में एक फैसले में कहा था कि यद्यपि अनुसूचित जाति के हिंदुओं ने ईसाई धर्म अपना लिया है और वे इस धर्म का ही पालन करते हैं लेकिन आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए ये सभी रिकॉर्ड पर हिन्दू हैं। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि धर्म के संदर्भ में कन्याकुमारी की जनसांख्यिकीय स्थिति 1980 से ही बदल गयी है। यहां पर हिन्दू अल्पसंख्यक हैं लेकिन 2011 की जनगणना दूसरी तस्वीर पेश करती है। इस फैसले का उल्लेख करने की वजह उच्चतम न्यायालय द्वारा पिछले महीने राज्य स्तर पर अल्पसंख्यकों की पहचान कराने के मामले में केंद्र को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए अंतिम अवसर दिया जाना है। मुद्दा यह है कि देश के कई राज्यों में हिन्दू, बहाई और यहूदी वास्तविक अल्पसंख्यक हैं लेकिन उन्हें वहां अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त नहीं है। इस वजह से इन समुदायों के लोग अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान खोलने और उनका संचालन करने के अधिकार से वंचित हैं।

इन राज्यों में अल्पसंख्यक होने के बावजूद इन समुदाय के सदस्यों को अल्पसंख्यकों के कल्याण की सुविधाएं भी नहीं मिलती हैं। भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने इसी मुद्दे को लेकर शीर्ष अदालत में जनहित याचिका दायर कर रखी है। उपाध्याय चाहते हैं कि देश के पंजाब, कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, लक्षद्वीप, मिजोरम, लद्दाख और नगालैंड सहित कम से कम दस राज्यों में हिन्दू, बहाई और यहूदी समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित किया जाए जहां वास्तव में ये अल्पसंख्यक हैं। दूसरी ओर, लक्षद्वीप और जम्मू-कश्मीर में मुस्लिम बहुमत में हैं जबकि असम, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तर प्रदेश और बिहार में इस समुदाय की काफी बड़ी आबादी है लेकिन इन्हें यहां अल्पसंख्यक ही माना जाता है और उन्हें इनके निमित्त लाभ दिये जा रहे हैं।

उपाध्याय ने इसी परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान कानून, 2004 की धारा दो (एफ) की वैधानिकता को भी चुनौती दे रखी है। याचिका के अनुसार, यह धारा मनमाने तरीके से अल्पसंख्यक घोषित करने की असीमित शक्ति सरकार को प्रदान करती है। उपाध्याय चाहते हैं कि न्यायालय केंद्र को राज्यवार अल्पंख्यकों की पहचान करने के दिशा-निर्देश जारी करने का निर्देश दे लेकिन स्थिति यह हो गयी है कि अब न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश की पीठ ने सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए अंतिम अवसर दिया है।

याचिका में उच्चतम न्यायालय के 20 साल पहले टीएमए पाई प्रकरण में दी गयी व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा गया है कि इसमें न्यायालय ने राज्यवार अल्पसंख्यकों की पहचान करने की बात कही थी लेकिन इस पर आज तक अमल नहीं हुआ है।

यह तो न्यायिक समीक्षा के बाद ही स्पष्ट होगा कि क्या अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान कानून के प्रावधान से किसी मौलिक अधिकार का हनन होता है या नहीं। लेकिन उपाध्याय का तर्क है कि इससे संविधान के अनुच्छेद 14 और 30 का हनन हो रहा है। उनका दावा है कि धार्मिक या भाषाई आधार पर अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शिक्षण संस्थान स्थापित करने और उनके संचालन का अधिकार प्राप्त है लेकिन कई समुदायों को इस अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

शीर्ष अदालत में पहले से ही पांच समुदायों— मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी को अल्पसंख्यक घोषित करने की केंद्र की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका लंबित है। उम्मीद की जानी चाहिए कि बहुसंख्यकों-अल्पसंख्यकों को लेकर चल रहे विवाद में केंद्र राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यकों का दर्जा प्राप्त समुदाय के बहुमत वाले राज्यों में भी जमीनी स्तर पर अल्पसंख्यकों की पहचान के बारे में अपने रुख से न्यायालय को अवगत करायेगा ताकि इस संवेदनशील विषय पर न्यायपालिका यथाशीघ्र अपनी सुविचारित व्यवस्था दे सके।

नाश्ते में बनाएं फेमस

बॉम्बे सैंडविच

बॉम्बे सैंडविच एक फेमस महाराष्ट्रीयन स्ट्रीट फूड रेसिपी है। जिसे सैंडविच स्लाइस, वेजिटेबल स्लाइस और सैंडविच मसाला की मदद से मिलकर बनाया जाता है। यह एक हेल्दी और स्वादिष्ट रेसिपी है। जो 10-15 मिनट में बनकर तैयार हो जाती है। तो बिना देर किए जानते हैं कैसे बनाई जाती है यह टेस्टी रेसिपी बॉम्बे सैंडविच।

बॉम्बे सैंडविच बनाने के लिए सामग्री

- 2- उबले हुए आलू
- 2- प्याज
- 2- टमाटर
- आधा चम्मच- चाट मसाला
- चीज शीट
- 8-सैंडविच ब्रेड
- 1 टिक्की-मक्खन

बॉम्बे सैंडविच बनाने का तरीका

बॉम्बे सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्रेड के किनारों को काट लें। अब ब्रेड पर बटर और चटनी लगाकर साइड में रख दें। फिर इसमें आलू, टमाटर, प्याज और चाट मसाला डाल दें। अब आप ऊपर से नमक, लाल मिर्च डालकर चीज की शीट रख दें। और फिर ऊपर से दूसरा ब्रेड रख दें। अब इसके ऊपर बटर लगा लें और इसे 5 से 10 मिनट के लिए ओवन में रख दें और सैंडविच को सॉस के साथ सर्व करें।

आज ही घर पर बनाएं

मखाना बादाम बर्फी

मखाना बादाम बर्फी बनाने के लिए सामग्री

मखाना पाउडर, बादाम पाउडर, चीनी, पानी, घी, केसर के रेशे, दूध

खाने के बाद अक्सर कुछ मीठा खाने का मन करता है। ऐसे में जब घर में कुछ मीठा न हो तो आप मन को कंट्रोल करते हुए चीनी खा लेते हैं। लेकिन अगर आप घर में कुछ मीठा बनाकर रखना चाहते हैं तो आप मखाना बादाम बर्फी बनाकर रख सकते हैं। ये बेहद आसानी से बन जाएगी। वहीं बादाम और मखाना सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद भी होता है। ऐसे ये बर्फी स्वादे के साथ सेहतमंद भी साबित होगी।

कैसे बनाएं

मखाना बादाम बर्फी बनाने के लिए बादाम को गर्म पानी में या रात भर भिगो दें। फिर कढ़ाई में मखाने को थोड़ा सा घी डालकर भून लें। बादाम के छिलके को छीलकर सुखा लें और बादाम और मखाने को अलग-अलग पीसकर पाउडर बना लें। फिर एक पैन में चाशनी बनाएं और उसमें केसर डालें। अब दूध डालें और अच्छी तरह मिलाएं। मखाना और बादाम पाउडर डालकर मिला लें और ध्यान रखें की इसनें गांठ न पड़ें। अब फिर से गैस ऑन करें और 5 मिनट तक चलाने के बाद बचा हुआ घी डालें। कुछ देर बाद आप देखेंगे कि बैटर आटे जैसा बन रहा है। अब ग्रीस की गई प्लेट में

इसे निकालें और पेड़ा बना कर चमचे से फैलाएं। इसे ठंडा होने दें और फिर टुकड़ों में काट लें। बर्फी तैयार है इसे सर्व करें। आप इसे टाइट कंटेनर में स्टोर कर के रख सकते हैं। गर्मियों में इसे फ्रिज में रखें।

हंसना मना है

मां ने कभी तंत्र विद्या नहीं सीखी है... लेकिन... जिस लड़की पर उनका बेटा फिदा होता है... मां एक नजर में बता देती है कि...वो चुड़ैल है...

दूल्हा: घूंघट उठाते हुए क्या मैं चेहरा देख लूं? दुल्हन: हां, लेकिन देखकर डिलीट कर देना।

आज का ज्ञान-आदमी चाहे जितना भी बड़ा और समझदार हो जाए... लेकिन... वो सीधे पैर और उल्टे पैर के मोजों में कभी फर्क नहीं बता सकता।

पति (फोन पर पत्नी से): तुम बहुत प्यारी हो। पत्नी: थैंक्स। पति: तुम बिल्कुल राजकुमारी जैसी हो। पत्नी: थैंक्यू सो मच...! और बताओ क्या कर रहे हो? पति: खाली बैठा था, सोचा मजाक ही कर लूं...!

पप्पू: बचपन से ही शौक था अच्छा इंसान बनने का। गप्पू: फिर क्या हुआ, बन गए? पप्पू: अरे कहां, बचपन खत्म... शौक खत्म...!

टीचर: रहीम का कोई भी एक दोहा सुनाओ। पप्पू: सर मुझे नहीं आता... टीचर: तुम्हें जितना आता है, उतना ही सुना दो...! पप्पू: कभी प्यासे को वाटर पिलाया नहीं बाद में क्वार्टर पिलाने से क्या फायदा... टीचर: बैठ जा, ड्यूटी के समय मन भटका रहा है।

कहानी

कितने ईमानदार

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल! हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो ? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाये, यह क्या है ? हौज में दूध के बदले पानी! मेरे हुक्म का ऐसा अनादर बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है ? बीरबल! ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेस बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अंदर गए। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है ? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते ? बादशाह का हुक्म था, इसलिए...। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न? बीरबल ने कहा, मतलब? सेठ ने बताया, देखिए! किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया तो क्या फर्क पड़ता है ? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गये। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर! अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या ? अकबर ने कहा, नहीं, नहीं, इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा- हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोमांटिक पक्ष में सावधानी रखें, पार्टनर के साथ झगड़ा हो सकता है। मूड खराब के चक्कर में प्रेमी के साथ संबंध ना बिगाड़ें। गरीबों को भोजन कराएं, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

वृषभ

पार्टनर के साथ दिन अच्छा रहेगा और किसी आयोजन में जा सकते हैं। आज आपका पार्टनर कोई सरप्राइज दे सकता है। अपने प्यार को परवान पर ले जा सकेंगे।

मिथुन

पार्टनर के कारण आज अच्छे मूड में रहेंगे और इसके साथ पाएंगे कि आप आत्मविश्वास से भरपूर हैं। पार्टनर की भावनाओं को समझने का प्रयास करें।

कर्क

सहनशीलता की परीक्षा हो सकती है, इसके साथ बैचेन और चिड़चिड़े हो सकते हैं। क्रोध में पार्टनर को अपमानजनक बातें ना कहें, शब्दों को संभाल कर ही प्रयोग करें।

सिंह

पार्टनर के साथ प्यार दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है लेकिन हवाई कल्पना में ना रहकर सच के साथ जुड़े रहें। पार्टनर के साथ और उनकी बातें समझने की कोशिश करें।

कन्या

पार्टनर की कुछ बातें आपको निराशा दे सकती हैं। निराशा पैदा करने वाली बातों पर अधिक ध्यान ना दें। पार्टनर के साथ किसी भी बात के लिए झगड़ें नहीं अन्यथा संबंध बिगड़ सकते हैं।

तुला

आज पार्टनर के साथ खूब रोमांस कर सकते हैं। जो व्यक्ति आपकी तरफ आकर्षित है उनसे मिलने के योग बनते नजर आ रहे हैं। बड़ों का आशीर्वाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें, फायदा होगा।

वृश्चिक

दिन भर बातों और खाने दोनों के चटकारे लेंगे। दिनचर्या से थोड़ा समय निकालें और अपने प्यार को ताजा करें। साथ रहकर अच्छा समय बिताने का प्रयास करें।

धनु

आज का दिन वादे का दिन होगा व आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। ऐसी जगह मिलने का कार्यक्रम बनाएं, जहां पर कोई व्यवधान ना हो और आप एक-दूसरे को समझ सकें।

मकर

पार्टनर की सेहत का ध्यान रख सकते हैं और उनके प्रति प्यार बढ़ सकता है। अपने पार्टनर को वक्त दें जब उसे आपकी आवश्यकता हो। नियमित योग करने से आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

कुम्भ

पार्टनर के बारे में दोस्तों और परिवार के सामने खुलासा कर सकते हैं, लेकिन आपके लिए बेहतर होगा कि कुछ दिन शांत रहा जाए। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक्त अपने शब्दों को गौर से चुनें।

मीन

आज अपने पार्टनर के बारे में दोस्तों और परिवार के सामने खुलासा कर सकते हैं, लेकिन आपके लिए बेहतर होगा कि कुछ दिन शांत रहा जाए।

बप्पी लहिरी | स्मृति शेष

गोल्ड कप में चाय पीते थे बप्पी सोना पहनने के भी थे शौकीन

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज सिंगर और म्यूजिक कंपोजर बप्पी लहिरी ने हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। सिंगर अभी 69 साल के थे। 15 फरवरी को अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण बप्पी दा को मुंबई के क्रिटी केयर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, लाख कोशिशों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। बप्पी लहिरी ने इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया। उन्होंने अपने अब तक के करियर में 500 से भी ज्यादा गाने कंपोज किए थे। उन्हें गोल्ड मैन के नाम से जाना जाता है। बप्पी दा इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा सोना पहनने के लिए भी मशहूर थे। उन्हें शायद ही कभी किसी ने बिना गोल्ड पहने देखा हो। हालांकि उन्होंने कब से और क्यों गोल्ड पहनना शुरू किया इस बारे में शायद ही किसी को कोई जानकारी होगी। बप्पी दा ने कुछ समय पहले अपने एक इंटरव्यू में खुद बताया था कि उन्होंने क्यों सोना पहनना शुरू किया है। दरअसल, बप्पी दा हॉलीवुड सिंगर एल्विस प्रेस्ली को बहुत पसंद किया करते थे। उन्होंने एक बार बताया था कि उन्होंने हमेशा ही प्रेस्ली को गले में सोने के चेन पहने देखा है। बप्पी दा को उनका यह स्टाइल काफी पसंद था। वह उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने भी गोल्ड पहनने का फैसला कर लिया। साथ ही उन्होंने खुद से और सफल बनने का भी वादा किया। इसके अलावा बप्पी दा सोना इसलिए भी पहना करते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह उनके लिए बहुत लकी है। कहते हैं कि उन्हें लगता था कि वह जितना सोना पहनेंगे, उतने ही वह इंडस्ट्री में सफल भी होंगे। दूसरी ओर अगर लोग यह जानने चाहते हैं कि बप्पी दा के पास कितना सोना था, तो इसका जवाब भी वह खुद दे चुके है। 2014 में बप्पी दा ने एक बार राजनीति में कदम रखने की कोशिश की थी। उस समय उन्होंने चुनाव लड़े थे। तब कहा गया था कि बप्पी दा के पास इस समय 754 ग्राम सोना और 4.62 ग्राम चांदी है।

मुझे भाई नहीं गॉडफादर कहते हैं

अक्षय कुमार का पोस्टर में दिखा खतरनाक लुक

बॉलीवुड | मसाला

अक्षय कुमार एक के बाद एक नयी फिल्मों का ऐलान कर रहे हैं। अब खिलाड़ी कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म बच्चन पांडे का नया पोस्टर फैंस के साथ शेयर किया है। इस पोस्टर में उनका धांसू लुक देखकर आप एक पल के लिए डर जाएंगे। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने फिल्म के ट्रेलर के रिलीज डेट के बारे में भी बताया है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर थोड़ी देर पहले फिल्म 'बच्चन पांडे' का पोस्टर पोस्ट किया है। इसमें लिखा है मुझे भाई नहीं गॉडफादर कहते हैं। इसके कैप्शन में एक्टर लिखते है, यह एक ऐसा चरित्र है जिसमें एक पेंट शॉप से भी ज्यादा शेड्स है. #बच्चन पांडे आपको डरने, हसने, रूलाने सब के लिए तैयार है। कृपया उसे अपना सारा प्यार दें। इस पोस्टर में अक्षय कुमार के लुक की बात करें तो वो काफी डरावने लग रहे है। कानों में बाली और चेहरे पर इंटेस लुक देखने से लग रहा है कि एक्टर का किरदार इसमें काफी दमदार होगा।

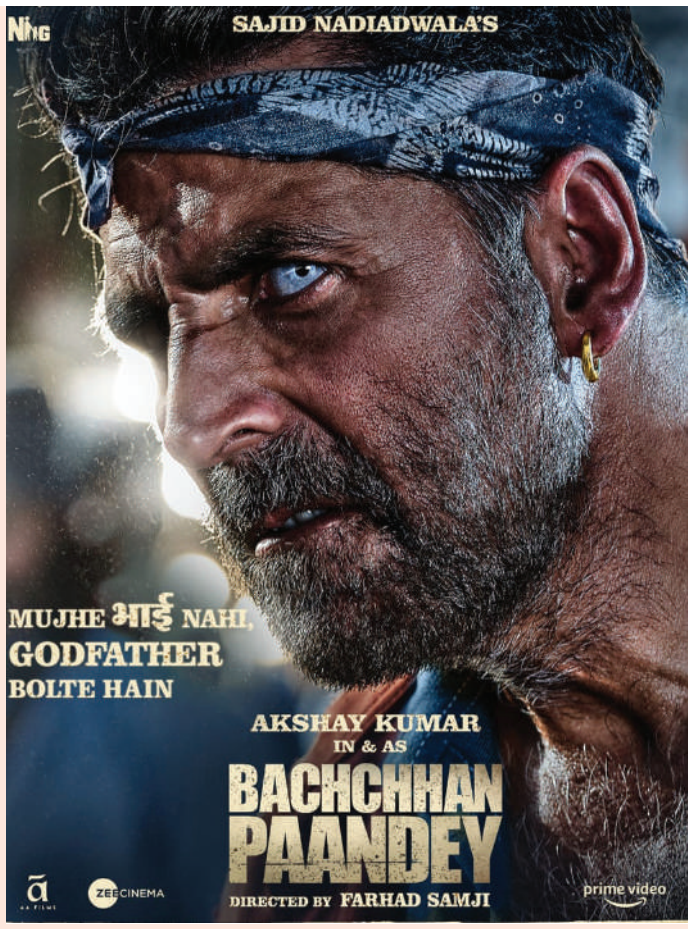

शादी के बाद और बोल्ड हुई करिश्मा तन्ना

बॉलीवुड | गपशप

करिश्मा तन्ना बेशक एक्टिंग के दम पर खास मुकाम हासिल नहीं कर पाई हैं, लेकिन उन्होंने अपनी बेहतर पर्सनैलिटी और दिलकश अदाओं के दम पर इंडस्ट्री में एक खास पहचान बना ली है। आज करिश्मा के चाहने वाले दुनियाभर में मौजूद हैं। लोग उनकी एक झलक के दीवाने रहते हैं। वहीं एक्ट्रेस भी इस बात से बखूबी वाकिफ हैं। ऐसे में उन्होंने अब फैंस के साथ अपनी कुछ नई फोटोज शेयर की हैं। करिश्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। इस बार उन्होंने अपने जिम लुक से सभी को दीवाना बना लिया है। इन फोटोज में करिश्मा शॉर्ट्स और स्पोर्ट्स ब्रा पहने दिख रही हैं। यहां वह एक पोल के सहारे खड़ी दिख रही हैं। उन्होंने अपने हाथ में एक टी-शर्ट जैसा कुछ पकड़ा हुआ है। करिश्मा यहां चेहरे पर बाल बिखेरकर कैमरे में देखते हुए पोज दे रही हैं। करिश्मा यहां नो-मेकअप लुक में दिख रही हैं। हालांकि, इस लुक में भी वह काफी हॉट लग रही हैं। फैंस उनके इस लुक पर भी फिदा हो गई हैं। कुछ ही घंटों में उनके इस लुक पर लाखों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। यूजर्स हार्ट और फायर वाले इमोजी बनाकर करिश्मा की तारीफें कर रहे हैं। कहा जाता है कि करिश्मा किसी को डेट कर रही है, इंस्टा पर उनकी लाखों फैन फॉलोइंग हैं।

5 फरवरी को हुई थी करिश्मा की शादी

गौरतलब है कि करिश्मा बीती 5 फरवरी को लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वरुण बंगेरा के साथ शादी के बंधन में बंधी हैं। एक्ट्रेस ने अपनी शादी के फंक्शन्स की तस्वीरें और वीडियोज भी फैंस के साथ शेयर की थीं। शादी के बाद भी वह लगातार फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक शेयर कर रही हैं।

अजब-गजब | मिलिए यूक्रेन की शूटर दादी से

79 साल की उम्र में चलाती हैं AK-47

इंसान की सीखने की कोई उम्र की सीमा नहीं होती है। अगर आप किसी चीज को सीखना चाहते हैं तो आपके अंदर ललक और जुनून होना चाहिए। दुनिया भर में ऐसे बहुत से उदाहरण देखने को मिल जाएंगे जिन्होंने अपने जीवन का काफी समय बिताने के बाद नई-नई चीजें सीखीं और उनमें झंडे भी गाड़े। अब इसी कड़ी में एक 79 वर्षीय दादी का मामला सामने आया है जो उम्र के इस पड़ाव पर कुछ ऐसा कर रही हैं, जिसे जानने के बाद आप भी हैरान रह जाएंगे।

दरअसल, यूक्रेन की रहने वाली इस बुजुर्ग महिला का नाम वैलेंत्या कोंसतांत्नोवोस्का है जो एके-47 जैसे आधुनिक और खतरनाक हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रही हैं। जिस उम्र में अधिकतर बुजुर्ग अपनी तमाम बीमारियों के इलाज के लिए डॉक्टरों के पास जाते हैं। उस उम्र में ये बुजुर्ग असाल्ट राइफल सीखने शूटिंग रेंज जाती हैं। इन बुजुर्ग महिला की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। आइए जानते हैं शूटर दादी के बारे में.......

दरअसल इन दिनों रूस और यूक्रेन के बीच काफी तनाव की खबरें लगातार सुनने में आ रही है। आशंका ये भी जताई जा रही है कि रूस की सेना यूक्रेन पर हमला करने की तैयारी में है। अब ऐसे में यूक्रेन की सेना ने अपने नागरिकों को भी हथियार चलाने की ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी है। इसी क्रम में सेना ने सिविलियन कॉम्बैट ट्रेनिंग की भी शुरुआत की है। ये बुजुर्ग महिला भी इसी ट्रेनिंग का हिस्सा हैं। वैलेंत्या कोंसतांत्नोवोस्का ने एक मीडिया एजेंसी से बात करते हुए कहा कि अब वो ऐसी राइफल चलाने के लिए पूरी तरीके से तैयार हैं। अब वो किसी भी परिस्थिति में दुश्मन से लड़ सकती हैं। इस बुजुर्ग महिला को ये ट्रेनिंग स्पेशल फोर्सेज यूनिट अजोव की तरफ से दी जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस यूनिट की तरफ से यूक्रेन के आम नागरिकों को भी युद्धाभ्यास कराया जा रहा है। हालांकि इस बुजुर्ग महिला के शरीर के हिसाब से ये हथियार काफी भारी है। लेकिन फिर भी अपने देश की खातिर उन्होंने इस हथियार को चलाना सीख लिया। इस बुजुर्ग महिला का अपने देश के प्रति जज्बा वाकई में काबिलेतारीफ है। ये बुजुर्ग महिला वैसे तो देखने में आम बुजुर्गों की तरह ही हैं लेकिन उनमें अदम्य साहस और जुनून भरा हुआ है। इस कठिन समय में ये बुजुर्ग महिला यूक्रेन और पश्चिमी मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। यूक्रेन के ज्यादातर लोग जिसमें युवा भी शामिल है उन्हें अपना हीरो मान रहे हैं। बुजुर्ग महिला के परिवार के अलावा उनके आस-पास के रहने वाले लोग भी उन पर गर्व कर रहे हैं। वैलेंत्या की तरह ही 52 साल की मैरियाना भी अपने देश की सुरक्षा के लिए हथियार चलाना सीख रही हैं।

बिहार का पहला हाईटेक भिखारी लेता है डिजिटल पेमेंट

भारत में आपको कई लोग भीख मांगते हुए दिख जाएंगे। कोई रेलवे स्टेशन पर भीख मांगता है, तो कोई मंदिर के बाहर। कई लोग भिखारी को भीख न देना पड़े, इसलिए बहाना बना लेते हैं कि उनके पास छुट्टे पैसे नहीं हैं या कह देते हैं कि मेरे पास अभी पैसे ही नहीं हैं। अगर आप भी ऐसा कहकर बच जाते हैं, तो सावधान हो जाइए। अब आप ऐसा नहीं बोल सकते हैं, क्योंकि भिखारी के पास ऑनलाइन पेमेंट का ऑप्शन भी मौजूद है। जी हां अब आपको रेलवे स्टेशन या दूसरी जगहों पर डिजिटल भिखारी भी मिल सकते हैं। इन दिनों बिहार के बेतिया का रहने वाला एक भिखारी चर्चा का विषय बना हुआ है जिसका नाम राजू पटेल है। भिखारी राजू पटेल ऑनलाइन पेमेंट भी लेता है। राजू पटेल फोन पे और गूगल पे पर भीख लेता है। अब छुट्टे पैसे नहीं होने का बहाना नहीं चलेगा। आइए जानते हैं इस डिजिटल भिखारी के बारे में... बेतिया रेलवे स्टेशन पर भीख मांगने वाले राजू की पहचान दूर से ही हो जाती है, क्योंकि उसके गले में तख्ती हमेशा लटकी रहती है और वह हाथ में टैब भी रखता है। अगर पैसे मांगने पर कोई कहता है कि छुट्टे पैसे नहीं हैं तो राजू बोलता है कि फोन पे दो, गूगल पे कर दो। कहा जा रहा है कि राजू बिहार का पहला डिजिटल भिखारी है। राजू भी खुद को देश का पहला हाईटेक भिखारी बताता है। बताया जाता है कि बिहार के बेतिया का रहने वाला अनोखा भिखारी बचपन से ही भीख मांगता है। इधर कुछ दिनों से स्टेशन पर लोग भीख मांगने पर छुट्टे नहीं है कहकर पैसे देने से मना कर देते थे, तो ऐसे में उसे पैसे मिलने बंद हो गए। इसके बाद राजू को डिजिटली भीख मांगने का आइडिया दिमाग में आया। उसने पैन कार्ड बनवाया और बैंक में खाता खुलवा लिया। इसके बाद डिजिटली भीख मांगना शुरू कर दिया। अब उसकी अच्छी कमाई होने लगी है। राजू अपने आप को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भक्त बताता है। वह प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान से बहुत प्रभावित है।

कुशीनगर में बड़ा हादसा, कुएं में गिरने से बच्चों समेत 13 की मौत

» डेढ़ दर्जन से अधिक लोग घायल, मांगलिक कार्यक्रम के दौरान हुई दुर्घटना

» पीएम मोदी व सीएम योगी ने जताया शोक, राहत बचाव के दिए निर्देश, पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। जनपद के नौरंगिया गांव में बुधवार रात स्लैब टूट कर गिरने से 30 लोग कुएं में गिर गए। हादसे में बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में बच्चे, किशोर-किशोरी, युवक-युवती शामिल हैं। घटना के समय सभी लोग एक परिवार में हल्दी की रस्म के उत्सव में चल रहे डांस को देख रहे थे। कई थानों की फोर्स ने रेस्क्यू आपरेशन कर लोगों को बाहर निकाला। पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर शोक जताया है।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख के मुआवजे का ऐलान

कुशीनगर। जिला प्रशासन ने कुशीनहर हादसे में मृतक आश्रितों को जिला प्रशासन ने चार-चार लाख रुपया आर्थिक सहायता देने की घोषणा करने के साथ घायलों के निशुल्क इलाज की भी व्यवस्था की है।

नौरंगिया के स्कूल टोला निवासी परमेश्वर कुशवाहा के पुत्र की आज शादी है। वैवाहिक रस्म के क्रम में महिलाएं हल्दी की रस्म अदायगी के दौरान गांव में स्थित कुआं पर मटकोड़ करने गई थीं। उनके साथ बच्चे भी गए थे। इसके बाद कुआं पर बने ढक्कन स्लैब पर खड़े होकर डांस देखने लगे। इस बीच स्लैब टूटकर कुएं में गिर पड़ा। इससे बच्चों समेत महिलाएं कुएं में गिरकर दब गए। घटना की सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गयी जबकि डेढ़ दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी का इलाज चल रहा है। डीएम एस राजलिंगम व एसपी सचिन्द्र पटेल ने बताया कि इस लोमहर्षक घटना से सभी स्तब्ध हैं। जांच कराई जा रही है कि घटना में लापरवाही कहां और कैसे हुई। हादसे में परी, मीरा, सुंदरी, राधिका, मन्नू, पूजा, शशिकला, ज्योति, पूजा चौरसिया, ममता, शकुंतला, बृंदा, आरती की मौत हो गयी।

पूर्व ब्लाक प्रमुख सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» ईडी के ऑफिस में बवाल करने का आरोप

प्रयागराज। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी कार्यालय में पिछले 14 फरवरी को हंगामा करने व सुरक्षाकर्मियों से मारपीट करने पर पूर्व ब्लाक प्रमुख समेत पांच लोगों के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। ईडी अफसरों ने कर्नलगंज थाने में तहरीर देकर सोनभद्र के पूर्व ब्लॉक प्रमुख समेत पांच के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज का रहने वाला कमलाकांत पांडेय पूर्व ब्लॉक प्रमुख है। ब्लॉक प्रमुख रहने के दौरान उस पर मनरेगा के अंतर्गत लाखों रुपये के हेरफेर का आरोप है। इसी मामले की जांच ईडी कर रही है। इस मामले में उसे पूछताछ के लिए समन जारी किया गया था, लेकिन वह तय तिथि पर नहीं आया। 14 फरवरी को पूर्व ब्लॉक प्रमुख कमलाकांत पांडेय अपने साथियों के साथ कटरा स्थित ईडी कार्यालय में जमकर बवाल किया और सुरक्षाकर्मियों से मारपीट भी की। दो सुरक्षाकर्मियों को चोटें आयीं। कार्यालय में तैनात सहायक निदेशक हेमंत कुमार तिवारी ने पूर्व ब्लाक प्रमुख कमलाकांत पांडेय व उसके साथी टीएन शुक्ला को नामजद करते हुए तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ कर्नलगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है ।

राजनीति का दर्पण है चुनाव चक्रम : सूर्य कुमार

» कवि राजेश अरोरा की पुस्तक का साहित्यकारों व प्रबुद्धों ने किया लोकार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच राज्यों में हो रहे चुनावी माहौल के बीच वरिष्ठ कवि एवं गायक राजेश अरोरा शलभ की पुस्तक चुनाव-चक्रम का लोकार्पण राजधानी की साहित्यिक संस्था विविधा के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार और उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष गोपाल चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस मौके पर जाने माने हास्य व्यंग्यकार सूर्यकुमार पांडेय, कवि श्याम मिश्र, रंगकर्मी अशोक बिसारिया, निशा चतुर्वेदी, महेश पांडेय, सुधीर कुमार वर्मा व रजनीश राज उपस्थित रहे।

सूर्य कुमार पांडेय ने कहा कि यह पुस्तक भारतीय राजनीति का एक दर्पण है। राजेश अरोरा शलभ ने चुनाव-चक्रम में चुनावी परिस्थितियों को चुटीले अंदाज में पेश किया है। गीतों, गजलों, घनाक्षरी छंदों, दोहों, कुंडलियां छंदों आदि के माध्यम से कथ्य को अत्यंत प्रभावी ढंग से पाठकों के समक्ष रखा गया हैं। गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि राजेश अरोरा शलभ बहुआयामी प्रतिभा के धनी हैं । परंतु हास्य व्यंग्य के क्षेत्र में उनका बड़ा योगदान है। यह पुस्तक लोगों को न केवल हंसाएगी वरन उन्हें प्रजातंत्र के प्रति जागरूक भी करेगी। कृति के रचनाकार राजेश शलभ ने बताया कि 176 पृष्ठों की यह पुस्तक तीन खंडों में है। सभी रचनाएं चुनावों से संबंधित विषयों पर हैं।

कोरोना : फिर बढ़ा मृतकों का आंकड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में बीते दिनों कोरोना से राहत मिलने के बाद एक बार फिर से मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। लगातार दो दिनों से संक्रमितों की संख्या भी 30 हजार से अधिक आ रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 30,757 मामले सामने आए हैं। इस दौरान 541 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले बुधवार को 514 लोगों की मौत हुई थी जबकि मंगलवार को 347 लोगों ने जान गंवाई थीं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में अब 3.32 लाख सक्रिय मामले बचे हैं। अब तक स्वस्थ होने वाले कुल मरीजों की संख्या 4.19 करोड़ हो गई है। संक्रमण दर घटकर 2.61 फीसदी पर आ गई है। देश में सबसे अधिक कोरोना संक्रमितों की संख्या केरल में है। यहां बीते 24 घंटों में कोरोना के 12,223 मामले मिले हैं। दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र है जहां 2,748 केस हैं। तीसरे स्थान पर कर्नाटक है जहां कि कोरोना के 1,894 मरीज मिले हैं। वहीं चौथे पर राजस्थान जहां 1,702 मामले हैं जबकि पांचवें पर मिजोरम है जहां 1571 लोग वायरस की चपेट में आए हैं।

विपक्षी दलों के झांसे में न आएं बनाएं बसपा की सरकार : मायावती

» सपा, भाजपा सरकार में प्रदेश का हाल रहा बेहाल

» बसपा की सरकार बनी तो हर वर्ग के लिए करेंगे काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ के स्मृति उपवन में संत रविदास जयंती के अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा और सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता को भाजपा और सपा के झांसे में नहीं आना है। केवल बसपा को वोट करना है क्योंकि पहले दो चरणों का परिणाम चौंकाने वाला आ रहा है और बसपा की सरकार बन रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा और सपा की सरकारों में दलितों, पिछड़ों, किसानों के खिलाफ काम किया। इनकी समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया गया। सपा की सरकार में गुंडागर्दी चरम पर रही। दंगे-फसाद, लूटमार करने वालों का राज रहा। अखिलेश की सपा सरकार ने पदोन्नति में आरक्षण के बिल को फाड़ दिया था। उसे भूलना नहीं है। वहीं आरक्षण न देना पड़े, इसके लिए भाजपा नियुक्ति न कर निजी लोगों से काम करा रही है। यह आरक्षण विरोधी है। बसपा की सरकार बनी तो सभी अराजक तत्वों को जेल भेजा जाएगा। साथ ही केंद्र सरकार के विवादित नियमों को यूपी में लागू नहीं होने देंगे। रोजगार की कमी नहीं होगी। मायावती ने कहा कि जब भाजपा की सरकार आई तो लगा कि शायद सपा की खराब नीतियों एवं योजनाओं को बदला जाएगा पर भाजपा ने तो और हाल खराब किया। दलित और पिछड़े वर्ग के संतों और गुरुओं का सम्मान नहीं किया। प्रबुद्ध वर्ग की उपेक्षा हुई है। गरीबी महंगाई बेरोजगारी के मुद्दे हावी रहे हैं। केंद्र सरकार की गलत नीतियों से हर वर्ग परेशान रहा। युवाओं को रोजगार नहीं मिला। और काम की तलाश में युवाओं को दूसरे प्रदेशों में पलायन करना पड़ा। बसपा की सरकार आई तो इन सब मुद्दों पर काम होगा।

अंबेडकरनगर में 50 हजार का इनामी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। स्वाट और टांडा कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। यह मुठभेड़ आज सुबह करीब छह बजे थाना टांडा के रामपुर कला मोड़ पर हाईवे के पास हुई।

गत वर्ष की पहली नवंबर को न्यायालय में कर्मचारी रहे संजय वर्मा की हत्या कर उसकी लाश को पुंथर के पास हाईवे पर एक्सीडेंट का रूप देकर फेंक दिया गया था। इसकी जांच थाना टांडा द्वारा गहनता से की गई तो हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी हत्याकांड में वांछित अरविंद वर्मा फरार चल रहा था। इस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। सूचना पर अरविंद वर्मा को गिरफ्तार करने के लिए स्वाट टीम ने कोतवाली टांडा की पुलिस के साथ घेराबंदी की। खुद को घिरा देखकर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। इनामी हिस्ट्रीशीटरअपराधी अरविंद वर्मा टांडा कोतवाली के अकूतपुर का निवासी है। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित हत्याकांड में वांछित है।

दोगुनी की जाएगी किसान सम्मान निधि : राजनाथ

योगी सरकार में सलाखों के पीछे हैं गुंडे-माफिया, भाजपा की कथनी-करनी में नहीं कोई फर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश को बुआ और बबुआ नहीं, बाबा चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली, मुफ्त खाद और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दोगुनी की जाएगी। महिलाओं को बस और ट्रेन में मुफ्त सफर की सुविधा दी जाएगी।

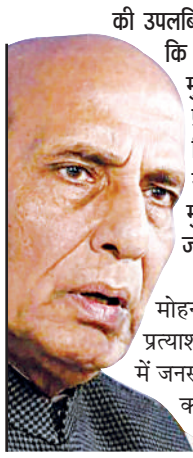

रक्षा मंत्री बुधवार को मोहनलालगंज में भाजपा प्रत्याशी अमरेश कुमार के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्मी न साइकिल पर बैठकर आती हैं, न हाथी पर। वह हमेशा कमल के फूल पर बैठकर आती हैं इसलिए कमल का बटन दबाकर भाजपा को जिताइए और प्रदेश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाइए। सपा सरकार में गुंडे, बदमाशों और भूमाफिया का बोलबाला था। जबकि योगी सरकार में गुंडे और बदमाश सलाखों के पीछे हैं। मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल बनेगी। भाजपा की कथनी-करनी में कोई फर्क नहीं है। सपाई एक लाल पोटली दिखा रहे हैं। उन्हें अब पोटली का सहारा रह गया है।

यूपी का मजाक उड़ाने वालों को सबक सिखाएगी जनता: पीयूष

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने लखनऊ में सपा और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा है कि यूपी और बिहार के लोगों का मजाक उड़ाने व पंजाब से भगाने की कोशिश करने वालों को विधान सभा चुनाव में जनता सबक सिखाएगी। कोरोना काल के भीषण दौर में कांग्रेस नेता मुंबई से लोगों को भगा रहे थे। दूसरी ओर मोदी व योगी ने सभी का आगे बढ़कर स्वागत किया और उनका जीवन व जीविका चलाई। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस शुरू से यूपी के लोगों का मजाक उड़ाती रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसपी सिंह बघेल को चुनाव मैदान में करहल सीट से उतारने के बाद से अखिलेश यादव परेशान हैं इसीलिए उन पर हमला किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल है, जिसमें वह यूपी कांग्रेस प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के सामने यूपी और बिहार वालों को वापस भेजने की बात कर रहे हैं। पत्रकारों के सवाल पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस शुरू से यूपी के लोगों का मजाक उड़ाती रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के विकट दौर में 80 करोड़ लोगों को अन्न बांटा गया, ताकि किसी को भूखा न सोना पड़े।

भाजपा सांसद का विवादित बयान

जिस घर से अफजल निकलेगा, उस घर में घुसकर मारेंगे: बृजभूषण सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। कैसरगंज के भाजपा सांसद व कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने चुनावी सभा में सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिन्ना चले गए, जड़ छोड़ गए। भारत विरोधी नारा लगाने वाले को चुनौती देते हुए कहा कि भाजपा का नारा है, जिस घर से अफजल निकलेगा, उस घर में घुस कर मारेंगे।

प्रदेश में चल रही बाबा की ठोको सरकार

कटरा बाजार के भाजपा प्रत्याशी बावन सिंह के समर्थन में आर्यनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बाबा की ठोको सरकार चल रही है। ठोको व बुलडोजर सरकार चल रही है। कहा, अभी कश्मीर में 12,4,000 वर्ग किलोमीटर लाना है। क्या यह उम्मीद है कि क्या अखिलेश के दादा लाएंगे या जिन्ना वाले लाएंगे। यह काम सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी बावन सिंह जीतेंगे तो बुलडोजर बाबा व ठोको बाबा के साथ खड़े होंगे। उन्होंने कांग्रेस व सपा पर जातिवाद व परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया। सरकार की उपलब्धियों का बखान किया। भाजपा सांसद ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर सवाल के जवाब में कहा कि पंजाब उनके बाप का नहीं है। पंजाब को बनाने में यूपी वालों का बड़ा हाथ है। जब यह सवाल हुआ कि प्रियंका गांधी भी वहां पंजाब के सीएम के बगल में खड़ी हंस रहीं थीं तो कहा कि प्रियंका गांधी को क्या मतलब है। इस देश में वह क्या जाने बंगाल क्या है। वह क्या जानें यूपी क्या है। वह क्या जाने पंजाब क्या है। साथ ही उन्होंने कर्नलगंज में कहा कि प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में भाजपा की सरकार फिर बनने जा रही है।

उत्तराखंड में कांग्रेस तैयार कर रही सरकार का ब्लू प्रिंट : हरीश रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पार्टी अभी से सरकार बनाने की तैयारी में जुट गई

देहरादून। उत्तराखंड की पांचवीं विधानसभा चुनने के लिए हुए मतदान के बाद कांग्रेस उत्साहित है। मतगणना 10 मार्च को होगी, लेकिन पार्टी अभी से सरकार बनाने की तैयारी में जुट गई है। कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि पार्टी अब सरकार का ब्लू प्रिंट तैयार कर रही है। संसाधन जुटाने के लिए नए क्षेत्र चिह्नित करने शुरू कर दिए गए हैं। कैबिनेट की पहली बैठक में ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र ही सरकार का ब्लू प्रिंट है। कांग्रेस को दो काम एक साथ करने हैं। संसाधन जुटाने हैं और जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करने की प्रक्रिया भी साथ ही शुरू करनी है। रावत ने कहा कांग्रेस के लाख-सवा लाख सक्रिय कार्यकर्ता हैं, वे सब इस लड़ाई का हिस्सा बने। कांग्रेस के पास नेताओं की कमी नहीं है।

फोटो: 4पीएम

मुलाकात | राजधानी लखनऊ में सरोजनी नगर से भाजपा प्रत्याशी राजेश्वर सिंह के आवास पर खत्री परिवार के बंधुओ ने उनसे मुलाकात की।

लखनऊ की सभी सीटों पर दलों में कांटे की जंग

राजधानी में स्टार प्रचारकों की चहलकदमी बढ़ी, सियासी पारा गर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। कोई प्रत्याशी केन्द्रीय मंत्री को बुला रहा है तो कोई मुख्यमंत्री की जनसभा अपने क्षेत्र में चाहता है। कुछ प्रत्याशियों ने शीर्ष नेतृत्व से आग्रह किया है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजधानी में एक जनसभा कर दे तो कार्यकर्ताओं से लेकर प्रत्याशी को बूस्टर डोज मिल जाएगी। इसको लेकर कवायद चल रही है।

चुनाव आयोग द्वारा दी गई छूट के बाद स्टार प्रचारकों की राजधानी में चहलकदमी बढ़ गई है। बीकेटी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तर विधानसभा, रक्षामंत्री

राजनाथ सिंह ने मोहनलालगंज व मलिहाबाद में जनसभा को संबोधित किया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने स्मृति उपवन पार्क में कई जिलों के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उधर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की टीम ने शहर की पांच विधानसभा सीटों पर 19 व 20 फरवरी को रोड शो करने की योजना बनाई है। बीकेटी, मलिहाबाद में अलग अलग जनसभा करेंगे और सरोजनी नगर व मोहनलालगंज की एक स्थान पर मतदाताओं को संबोधित करेंगे।भाजपा ने राजधानी की नौ विधानसभा सीटों पर जीत पक्की करने के लिए केंद्रीय मंत्रीमंडल से लेकर अलग-अलग राज्यों के मंत्रियों को लगा दिया है। चुनाव प्रचार के पांच दिन बचे हैं, वही भाजपा ने 21 फरवरी की शाम पांच बजे तक किसी न किसी विधानसभा में जनसभाएं, डोर टू डोर के कार्यक्रम लगाए हैं। सपा के समर्थन में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही प्रचार कर चुकी है, अब बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के आने की चर्चा शुरू हो गई है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से भी राजधानी में एक जनसभा करने को लेकर चल रही सुगबुगाहट है।

निजी क्षेत्र में आरक्षण देने के कानून पर हाईकोर्ट की रोक सुप्रीम कोर्ट ने हटाई

» शीर्ष अदालत से हरियाणा सरकार को राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज हरियाणा सरकार के निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय लोगों को 75 फीसदी आरक्षण देने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कानून पर रोक लगाने वाले पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश को रद कर दिया है।

कोर्ट ने हाई कोर्ट को एक महीने के भीतर इस मुद्दे पर फैसला करने के लिए कहा है और राज्य सरकार को फिलहाल नियोक्ताओं के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाने का निर्देश दिया है। बता दें कि 3 फरवरी, 2022 को हरियाणा में स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम 2020 को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर

सुनवाई कर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कानून पर रोक लगा दी थी। गौरतलब है कि पंजाब हाईकोर्ट ने यह आदेश फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की रिट याचिका पर पारित किया था। इतना ही नहीं, कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए सरकार को एक नोटिस भी जारी किया था। बता दें कि यह कानून पिछले साल खट्टर सरकार ने नवंबर में अधिसूचित किया था और 15 जनवरी से यह लागू हो गया था।

फीस न बढ़ाए जाने के आदेश पर पुनर्विचार करे यूपी सरकार: हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रदेश के प्राइवेट स्कूलों की फीस न बढ़ाए जाने के शासनादेश को चुनौती प्रकरण में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राज्य सरकार को मामले में पुनर्विचार करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जौहरी की खंडपीठ ने यह आदेश एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स ऑफ यूपी की याचिका पर दिया। याचिका में राज्य सरकार के गत 7 जनवरी के शासनादेश को चुनौती दी गई है। याची ने इसे शैक्षिक संस्थानों के सांविधानिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला कहा है। याची के वकील का कहना था कि राज्य सरकार ने इस शासनादेश के तहत निजी स्कूलों में पिछले दो साल की तरह इस वर्ष भी फीस बढ़ाने पर रोक लगा दी है। इससे उनके हित प्रभावित हो रहे हैं। जबकि यह शासनादेश कोरोना संक्रमण के बढ़ने की आशंका में जारी हुआ था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।